



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

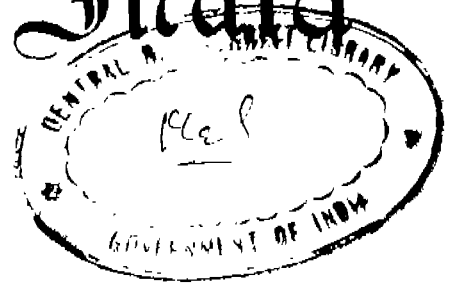
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 272]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 30, 2001/वैशाख 10, 1923

No. 272]

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 30, 2001/VAISAKHA 10, 1923

गृह मंत्रालय

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

अधिसूचना

NOTIFICATION

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2001

New Delhi, the 30th April, 2001

का.आ. 374(अ).—केन्द्र सरकार ने, विधि विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "दीनदार अंजुमन" को एक विधि विरुद्ध संगम घोषित कर दिया है;

S.O. 374(E).—Whereas, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government have declared the "Deendar Anjuman" as an unlawful association;

और उक्त घोषणा को, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 28 अप्रैल, 2001 में सं. का. आ. 373(अ) द्वारा उसी तारीख को प्रकाशित कर दिया गया है;

And whereas, the said declaration has been published in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, section 3, sub-section (ii) of 28th April, 2001 vide number S. O. 373 (E) of the same date;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, विधि विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 19 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त अधिनियम की धारा 7 और धारा 8 के अधीन उसके द्वारा प्रयोक्तव्य सभी शक्तियां उपर्युक्त संगठन की बाबत राज्य सरकार और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा भी प्रयोग की जाएंगी।

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 19 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby directs that all the powers which are exercisable by it under sections 7 and 8 of the said Act shall be exercised also by the State Governments and the Union territory Administrations in relation to the above organisation.

[फा. सं. II-14017/14/2000-एन आई(डी वी)]

[F. No. II-14017/14/2000-NI (D.V.)]

आर. के. सिंह, संयुक्त सचिव

R. K. SINGH, Jt. Secy.

